मौं ढ़ाँकें फरिया में

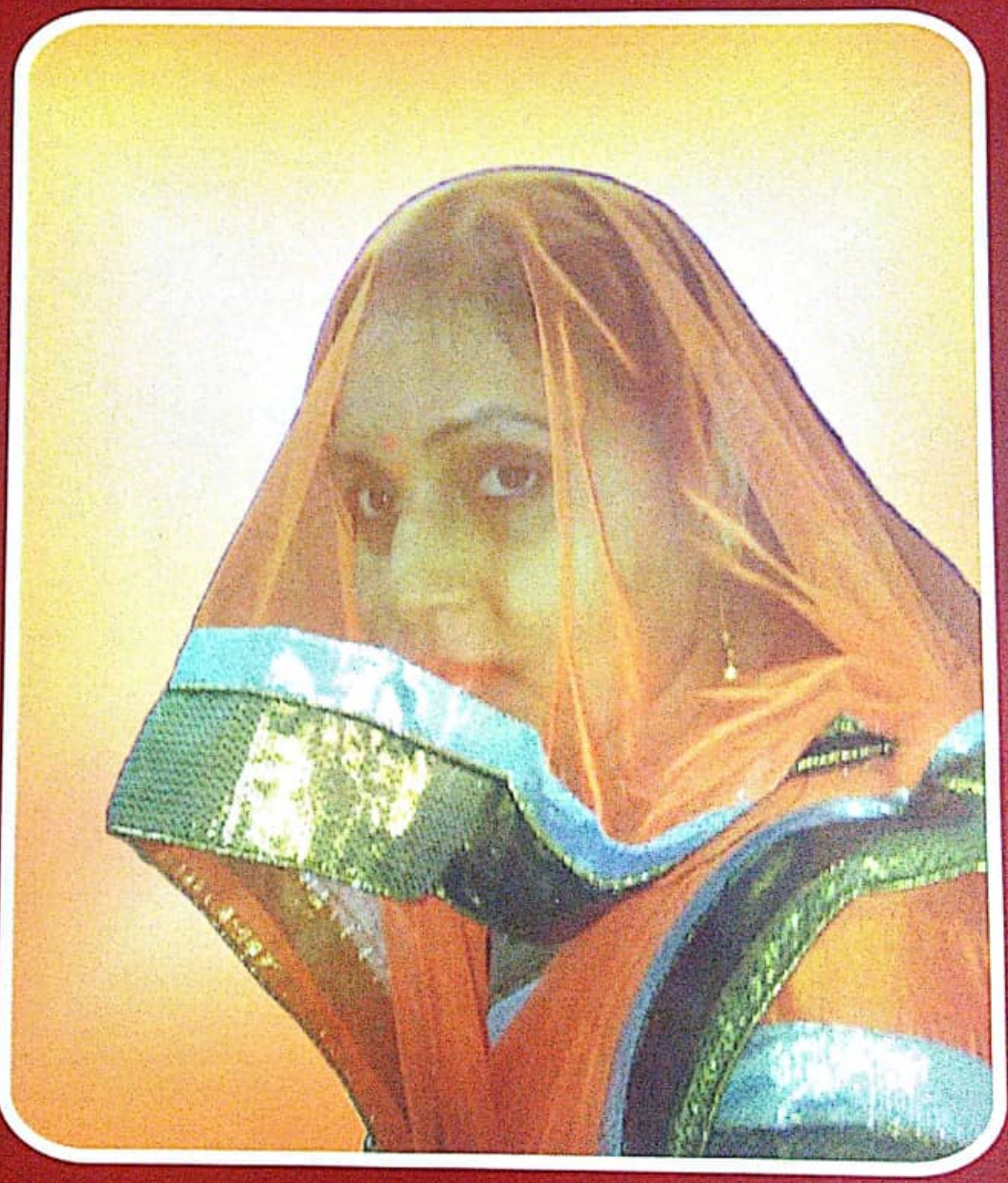

डॉ. राज गोस्वामी

Scanned with CamScanner

समर्पण : मौं ढ़ाँकें फरिया में

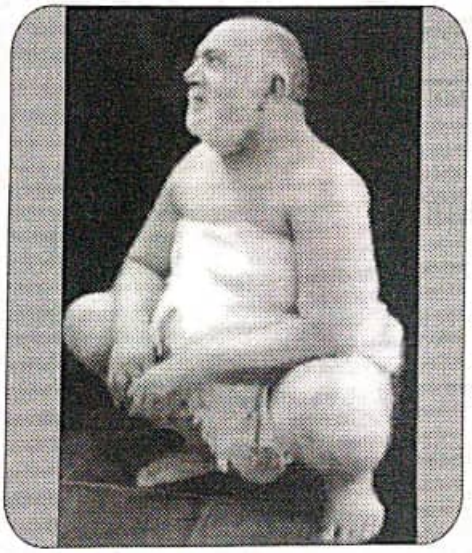

पूज्यपाद 1008 श्री स्वामी जी महाराज, पीताम्बर पीठ दतिया की उपस्थिति में मेरा यज्ञोपवीत संस्कार दिनांक 15 अप्रैल 1970 को सम्पन्न हुआ।

– डॉ. राज गोस्वामी

Scanned with CamScanner

मौं ढ़ाँकें फरिया में
(बुन्देली गीत-संग्रह)
डॉ. राज गोस्वामी
संस्करण- प्रथम 2019
सर्वाधिकार- रचनाकार
ISBN : 978-93-89399-12-7

प्रकाशक- **संदर्भ प्रकाशन**
जे-154, हर्षवर्द्धन नगर, भोपाल (म.प्र.)

रेखांकन- मदन मालवीय
आवरण व ग्राफिक्स- युगांशु मालवीय
मुद्रण- सुपर प्रिंटर्स, भोपाल
मूल्य- 150/-

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

1. हे वाणी शारदे 15
2. बात कात हम सोच 17
3. अपुन तो घर के हैं 19
4. पेले हैं सच्चे 21
5. हमें पराई चार 22
6. लगी बड़ी ठंडा 23
7. गंजड़ हंद फजीता 24
8. ककर्यावर्त कका 25
9. दरे हैं मथा 26
10. खड़ने खटिया पै आन 27
11. नहीं उनके पासंग 29
12. आओं जू गुइयाँ 31
13. दिया मिलक सु दिवारी के 32
14. मनों नईं चढ़त 34
15. कां खां हम जाएं 36
16. तैव दिखा हो ती 38
17. कैसे हो भइया 39
18. फूलाएँ गलमुआ 41
19. घर की सुनहवन में 42
20. चांगल जीड़ दूआ 43
21. परे दाउ माव 44
22. जे जा गए परदेश 45
23. मैम बड़ी चालाक 47
24. कोउ अमीर गरीब 49
25. जौ नइ जम सु बात 50
26. आजादी खों पाएं 52

27. खाएं लात 53
28. मिटजै हड़फूटन 55
29. पइसन की संसार 56
30. अभिनंदन सम्मान 57
31. खाने पीने माल 58
32. बच कें रेनें है 59
33. भार बनें ना यार 60
34. तें दारूखोर 61
35. माँ झोंकें फरिया में 62
36. काल गरे फांसें 63
37. कछू ना पाएं हम 64
38. तुम कत संग चलो 65
39. आँखें हैं कै बटन 66
40. ऐसी का है बात सुरेखा 67
41. रेल सफर 69
42. तीउ कहा है नाट 71
43. आओ मिलें गोपी-गोपाल में 72
44. हमें डारनें वोट 73
45. है मशीन प्यारी 74
46. है इच्छा मन की 75
47. आज बने हैं गैर 77
48. और कितने मूड़ पै 78
49. वैसे नहिं भाई 79
50. खाई जड़ी बूटी 80
51. गैटिस से तनते हैं 81
52. पीछे पड़े हुए 82
53. अपनों प्यारी हिन्दुस्तान 83

Scanned with CamScanner

डॉ. राज गोस्वामी

पिता का नाम : पं. [illegible]किशोर गोस्वामी

माता का नाम : श्रीमती रामश्री देवी गोस्वामी

जन्मतिथि : 01 जनवरी 1957 दतिया (म.प्र.)

योग्यता : एम.ए. (एल.एल.बी.) (जीवाजी वि.वि. ग्वालियर)

विशेष : महामहिम राज्यपाल श्री रामनरेश यादव द्वारा बुन्देली का [illegible] सम्मान 2014 प्रदत्त/जीवाजी वि.वि. ग्वालियर द्वारा बुन्देलखण्ड के साहित्यकार डॉ. राज गोस्वामी जी का कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर शिक्षिका श्रीमती प्रतिमा शोभने को पी.एच.डी. प्रदत्त।

सम्प्रति : जल संसाधन विभाग द्वारा सहायक पद से सेवानिवृत्त 2016

प्रकाशित कृतियां :

1. ओ मेरे मन (कविता संग्रह) 2. अनुबंधों के छंद (कविता संग्रह) 3. [illegible] (बाल कविता) 4. जटायु (खण्ड काव्य) 5. मेरी कविता यात्रा परिचय 6. वो, [illegible] (अनुवाद) 7. तर्क से परे (क्षणिका संग्रह) 8. ढोंगी पंडित (बाल कहानी) 9. गीता हाईकु (अनुवाद) 10. [illegible] हो गई चेतना (कविता) 11. ओंछे बार कक्कू सें (बुन्देली संग्रह) 12. चन्द्रयान से जाऐंगे ([illegible] संग्रह) 13. चन्दा मामा पास के 14. बाल सतसई (हाईकु) 15. गीत राज के (गीत संग्रह) 16. [illegible] चलती रहेगी (लघुकथा) 17. चिड़ियाँ चुग गईं खेत (लघुकथा संग्रह) 18. माँ [illegible] (बुन्देली जनगीत)।

संस्था से संबद्ध : मध्यप्रदेश लेखक संघ इकाई दतिया (जिला मंत्री)।
मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति (जिला संयोजक)।

संपर्क सूत्र : श्री सदन, उद्योग विभाग की गली, सिविल लाइन्स, दतिया (म.प्र.) [illegible]

मोबाइल : 9229688096, 9111804520

ई-मेल : rajgoseami129@gmail.com

संदर्भ प्रकाशन

ISBN : 978-93-89399-32-7

Scanned with CamScanner